संगीत नाटक समाचार

संगीत नाटक अकादेमी
Sangeet Natak Akademi

अंक 14 ◆ दिसम्बर 2007 – जनवरी 2008

अकादेमी के पदाधिकारी

अध्यक्ष
श्री राम निवास मिर्धा

उपाध्यक्ष
श्री कावालम नारायण पनिक्कर

वित्तीय सलाहकार
श्री आर.सी. मिश्रा

सचिव
श्री जयंत कस्तुआर

इस अंक में

बोम्मालाट्टा उत्सव, वारंगल	1
नृत्य संगम, जमशेदपुर	2
जनजातीय कला उत्सव 'प्रकृति', नई दिल्ली	3
संगीत प्रतिभा, सिलीगुड़ी	3
रंग प्रतिभा: बैंगलोर	4
एकल नाट्य उत्सव, कोलकाता	4
दिल्ली अन्तरराष्ट्रीय कला उत्सव	4
नाट्योत्सव, पटना	5
प्रलेखन	5
स्मृति में	6

बोम्मालाट्टा उत्सव, वारंगल

आंध्र प्रदेश की पारंपरिक पुतुल बोम्मालाट्टा का उत्सव, एसोसियेशन फॉर द प्रमोशन ऑफ पपेट्री इन आंध्र प्रदेश (ए.पी.पी.ए.) के सहयोग से 18 से 22 जनवरी, 2008 तक वारांगल, आंध्र प्रदेश में आयोजित किया गया। इस पांच दिवसीय उत्सव के दो भाग थे : प्रथम, आंध्र प्रदेश के पुतुल समूह द्वारा 18 – 22 जनवरी तक पुतुल प्रदर्शन तथा द्वितीय, 20–21 जनवरी तक कार्यशाला। 18 – 22 जनवरी तक विशेष प्रलेखन किया गया। आंध्र प्रदेश, दिल्ली एवं कोलकाता के पुतुल विशेषज्ञों ने इस उत्सव में भाग लिया।

उत्सव में मुख्यतः आंध्र प्रदेश की चमड़ा पुतुल कला पर विशेष ध्यान दिया गया जिसमें आंध्र प्रदेश के विभिन्न भागों से 60 पुतुल समूहों एवं 6000 पारंपरिक पुतुलकारों ने भाग लिया।

कार्यक्रम विवरण

18 जनवरी

लंका दहन – एस. चिदम्बरा रॉव, छाया नाटक बरूदम, अनन्तपुर

उत्तर गोगराहानम – तोता पवन कुमार नाट्य कला भारती नाटिका कमेटी, काकीनाड़ा

लक्ष्मण मूर्छा – रेखानर कोटिलिंगम, प्रसन्नंजनेय बृन्दम्, प्रकासन

19 जनवरी

छाया लक्ष्मी – मोटे जगन्नाथम, कोया बोमल्ला कला बृन्दम्, वारंगल

पद्मव्यूहम – रेखनार हनुमंत रॉव, गुंटूर

सुंदरकांडः कुमार ओंकार, नेल्लोर

20 जनवरी

मारुति विजयम् – कुमार तिरुपालू, नेल्लोर

भारुवू बृतुकुलू नाटिका (पंचतंत्र कथा) – वर्नाचा रामकृष्ण, अनंतपुरम्

नर्तनशाला – तोटा रंगारॉव, पूर्वी गोदावरी

21 जनवरी

लव–कुश – वनापार्थी सुब्बा रॉव, पूर्वी गोदावरी

किरातार्जुनीयम् – अनंतपार्थी वेंकटरत्नम, पूर्वी गोदावरी

करिवलराजू कथा – कदम समैया, कदम समैया बृन्दम्, वारंगल

राम रावण युद्धमः पुरानापू यादागिरि, पुरानापू यादागिरी बृन्दम्, नालगोंडा

22 जनवरी

बबरुवाहन चरित्र – काले चालापार्थी रॉव, साईंबाबा नाट्य कला मंडली, नेल्लूर

बहुरूपिया – (ट्विनस), मैजीशियन,

अनारकली – पूरण भाट, आकार पपेट थियेटर, नई दिल्ली

सती सुलोचना – थोटा नरसिंहा मूर्ति, करूणा निलय चलना चित्र कला प्रदर्शन, पूर्वी गोदावरी

कीचक वध – वनापार्थी पेड्डा ननचरैय्या खम्मम्

तोलु बोम्मालट्टाः छाया पुतुल, आंध्र प्रदेश

नृत्य संगम, जमशेदपुर

संगीत नाटक अकादेमी द्वारा देश के सुदूर कस्बों एवं शहरों के नृत्य प्रेमियों के लिए वर्ष 2004 से आरम्भ की गई नृत्य शृंखला के अन्तर्गत नृत्य संगम उत्सव का आयोजन किया गया जिससे कि एक ही कार्यक्रम में नृत्य की विभिन्न शैलियों को प्रस्तुत किया जा सके। नृत्य संगम शृंखलाओं में प्रख्यात कलाकारों द्वारा नृत्य की विविध शैलियों की प्रस्तुतियां पेश की गई। इस वर्ष नृत्य संगम झारखंड सरकार के संस्कृति मंत्रालय तथा कला मंदिर के सहयोग से एक्स.एल.आर.आई. के टाटा सभागार, जमशेदपुर में 20 से 24 जनवरी, 2008 तक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम विवरण

20 जनवरी
प्रियदर्शिनी गोविन्द, चेन्नई – भरत्नाट्यम
ओम प्रकाश मिश्रा, वाराणसी – कथक

21 जनवरी
मंदाकिनी त्रिवेदी, मुंबई – मोहिनीआट्टम
रिना जेना, कोलकोता – ओडिसी
अनुराधा जोनालगड्डा, हैदराबाद – कूचिपूड़ि

22 जनवरी
इबेमुबी देवी, इंफाल – मणिपुरी
कलामंडलम राजशेखरन, त्रिसूर – कथकलि
वसन्ती वैष्णव, बिलासपुर – कथक

23 जनवरी
मिनाती एवं मनोरंजन प्रधान, भुवनेश्वर – ओडिसी
वैभव अरेकर, मुंबई – भरतनाट्यम
मार्गी सती, त्रिसूर – ननगायरकोठ

24 जनवरी
अनीता शर्मा, गुवाहाटी – सत्रिय नृत्य
चित्रा चंद्रशेखर, बैंगलौर – भरतनाट्यम
अदिति मंगलदास, दिल्ली – कथक

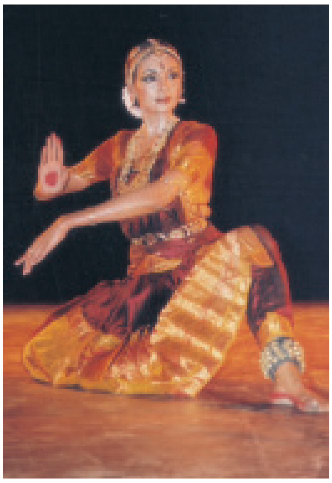

ऊपर बायें से दायें :
ओम प्रकाश मिश्रा (कथक), मंदाकिनी त्रिवेदी (मोहिनीआट्टम), रीना जालान (ओडिसी)।
नीचे बायें से दायें :
वैभव आरेकर (भरतनाट्यम), कलामंडलम् राजशेखरन् (कथकलि), प्रियदर्शिनी गोविंद (भरतनाट्यम)

जनजातीय कला उत्सव 'प्रकृति', नई दिल्ली

जनजातीय कलाओं के उत्सव 'प्रकृति' का आयोजन संस्कृति मंत्रालय एवं जनजातीय मंत्रालय द्वारा आंचलिक संस्कृति केन्द्रों व संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से 5 – 7 दिसम्बर, 2007 को मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उत्सव का उद्घाटन भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्री श्री पी. आर. केडिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर अकादेमी अध्यक्ष श्री रामनिवास मिर्धा, सचिव श्री जयन्त कस्तुआर एवं संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री लव वर्मा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस उत्सव में इक्कीस राज्यों ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया।

सुग्गी कुन्थिा, कर्नाटक

त्रिदिवसीय उत्सव में ढरकारी नृत्य (उत्तर प्रदेश), बैगा कर्मा नृत्य (मध्य प्रदेश), कल्बेलिया एवं गरेसिया नृत्य (राजस्थान), मेवाती नृत्य (गुजरात), भावदा नृत्य (दादर एवं नागर हवेली), गुदम बाजा (मध्य प्रदेश), थेपटा गुल्लू नृत्य (आंध्र प्रदेश), संभलपुरी नृत्य (उड़ीसा), सैला नृत्य (छत्तीसगढ़), होजागिरी नृत्य (त्रिपुरा), तामांग सेलो नृत्य (सिक्किम), जौनससे हारुल नृत्य (उत्तराखंड), जाब्रो नृत्य (लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर), गुज्जरी नृत्य (हिमाचल प्रदेश), गुग्गी कुन्थिा (कर्नाटक), गुसाडी नृत्य (आंध्र प्रदेश), कोटा नृत्य (तमिल नाडु), लाहू नृत्य (मेघालय), लायन एवं पीकाड नृत्य (अरुणाचल प्रदेश), एवं खुपेली नृत्य (नागालैंड) थे।

संगीत प्रतिभा, सिलीगुड़ी

पूर्वी भारत के युवा प्रतिभाओं के संगीतकारों पर केन्द्रित 'संगीत प्रतिभा' उत्सव, पश्चिम बंगाल राज्य संगीत अकादेमी, कोलकाता के सहयोग से 27 से 30 दिसम्बर, 2007 तक दीनबन्धु मंच, सिलीगुड़ी में आयोजित किया गया। उत्सव में पूर्वी भारत के राज्यों असम, बिहार, झारखंड, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल के मुख्यतः 21 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां पेश कीं। उत्सव में हिन्दुस्तानी गायन एवं वाद्य संगीत – सितार, गिटार, शहनाई, तालवाद्य कचेहरी, बाँसुरी, सरोद – का प्रदर्शन किया गया। क्षेत्रीय सांगीतिक परंपराओं के विशेष सत्र में असम का बोरगीत, बंगला टप्पा एवं पुरातनी गीत, ओडिसी संगीत एवं मांड राजस्थान शामिल थे। सिलीगुड़ी के रसिको ने इस उत्सव का भरपूर आनंद उठाया

कार्यक्रम विवरण

27 दिसम्बर
लोकेश आनन्द, दिल्ली – शहनाई
अनल चटर्जी, कोलकाता – हिन्दुस्तानी गायन
सुप्रतीक सेन गुप्त, कोलकाता – सितार

28 दिसम्बर
अर्पिता मुखर्जी, धनबाद – हिन्दुस्तानी गायन
राजकुमार झा, अयोध्या – पखावज
अजय पी. झा, दरभंगा – गिटार

29 दिसम्बर
शब्बीर हुसैन खान एवं उमेश मिश्र, कोलकाता – सारंगी
सबीना मुमताज इस्लाम, गुवाहाटी – हिन्दुस्तानी गायन
ज्योतीन्द्र प्रसाद मिश्रा एवं के. भुवनेश्वरी, भुवनेश्वर – सितार एवं वायलिन
कुमार त्रितोश एवं समूह पटना – तालवाद्य कचेहरी

30 दिसम्बर
संतोष कुमार, बोकारो – बाँसुरी
अपर्णा मिश्रा, गया – टप्पा, ठुमरी
उदय कुमार मिश्रा एवं दीनानाथ मिश्रा, बेतिया – हिन्दुस्तानी गायन
अतीश मुखोपाध्याय – सरोद

30 दिसम्बर
विशिष्ट क्षेत्रीय पारंपरिक संगीत का प्रातःकालीन सत्र
मिताली डे, गुवाहाटी – बोरगीत, असम
शौविक सान्याल, सिलीगुड़ी – बंगाल टप्पा एवं पुरातनी गीत,
संगीता पाण्डे, भुवनेश्वर – ओडिसी संगीत, उड़ीसा
पुखराज शर्मा, बीकानेर – मांड, राजस्थान

नीचे : *संगीता पांडा (ओडिसी संगीत)*
नीचे बायें : *लोकेश आनन्द (शहनाई)*
नीचे दायें : *राजकुमार झा (पखावज़)*

रंग प्रतिभा, बैंगलोर

राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों के समकालीन नाट्यों पर युवा रंग प्रतिभाओं के संवर्धन के लिए उत्सवों की एक शृंखला अकादेमी ने तैयार की है, इसी शृंखला के अन्तर्गत कर्नाटक में युवा निर्देशकों के नाटकों के उत्सव 'रंग प्रतिभा' का आयोजन किया गया।

इस उत्सव का आयोजन कर्नाटक नाट्य अकादेमी, बैंगलोर व कन्नड़ एवं संस्कृति निदेशालय बैंगलोर के सहयोग से 6 – 15 जनवरी, 2008 तक बैंगलोर में किया गया। राज्य की विशेषज्ञ समिति द्वारा चयनित कर्नाटक के युवा निर्देशकों की दस प्रस्तुतियों की पेशकश उत्सव में की गई।

प्रदर्शनों के अतिरिक्त प्रातः कालीन सत्र में स्थानीय एवं प्रतिभागी निर्देशकों में वैचारिक आदान–प्रदान हुआ। स्थानीय रंगमंच कलाकारों के साथ विचार–विनियम हेतु इलाहाबाद से सचिन तिवारी तथा भुवनेश्वर से श्री दुलगोविन्द रथ को अकादेमी द्वारा आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम विवरण

6 जनवरी
ऊषाहरण – निर्देशक : श्रीपद भाट

7 जनवरी
दर्शकों – निर्देशक : के. रामकृष्ण

8 जनवरी
भलारे विचित्रम – निर्देशक : शशवेली सतीश

9 जनवरी
परित्यक्ता – निर्देशक : मंजूनाथ एल. बदीगेरा

10 जनवरी
हलश्री – निर्देशक : के. आर. ओंकार

11 जनवरी
शर्विदवालु – निर्देशक : मालतेश बदिगेस

12 जनवरी
बाइसिकिल थीव्ज – निर्देशक : श्रीधरमूर्ति जी. जे.

13 जनवरी
8/15 – निर्देशक : रितविक सिम्हा

14 जनवरी
कोली – निर्देशक : ए. दक्षियानी भाट

15 जनवरी
मंसुख रायणा मंसू – निर्देशक : वासुदेव वी. गंजर

एकल नाट्य उत्सव, कोलकाता

श्रीमती ऊषा गांगुली के प्रख्यात नाट्य समूह 'रंगकर्मी' द्वारा एकल नाट्य यात्रा उत्सव का आयोजन 13 से 15 जनवरी 2007 किया गया। इस उत्सव में प्रख्यात एवं नवोदित महिला नाट्य निर्देशकों के एकल प्रदर्शन मुख्य आकर्षण थे।

दिल्ली अन्तरराष्ट्रीय कला उत्सव

अकादेमी द्वारा प्रसिद्धा फांउडेशन, दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किये जा रहे दिल्ली अन्तरराष्ट्रीय कला महोत्सव को प्रायोजित किया गया। इस उत्सव का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार व भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से किया गया। अकादेमी के मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में 16 से 22 दिसम्बर 2007 तक आयोजित शास्त्रीय नृत्यों सहित दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों को अकादेमी द्वारा प्रायोजित किया गया।

नीचे : *ए. दक्षियानी भाट द्वारा निर्देशित कोली।*
सबसे नीचे : *श्रीधरमूर्ति जी. द्वारा निर्देशित बाइसिकिल थीव्ज़।*

नाट्योत्सव, पटना

संगीत नाटक अकादेमी की पूर्वी अंचल कार्यशाला के (चरण दो) के प्रतिभागियों के चयनित नाटकों का उत्सव 'नाट्योत्सव' 28 जनवरी से 3 फरवरी तक कालिदास रंगालय, पटना में आयोजित किया गया।

इन प्रदर्शनों के अतिरिक्त प्रातः कालीन सत्र में प्रतिभागी एवं स्थानीय निर्देशकों के बीच पारस्परिक विचार–विनिमय होता था। प्रस्तुत किये गये नाटकों का विवरण इस प्रकार हैं :

28 जनवरी
उत्तरप्रियदर्शी – निर्देशक : संतोष कुमार राणा
समझौता – निर्देशक : परवीन कुमार गुंजन

29 जनवरी
दुनिया रोज़ बदलती है – निर्देशक : संतोष कुमार झा
सैक्रिफाइज़ – निर्देशक : देबाशीष दत्ता

30 जनवरी
प्रकृति – निर्देशक : कीर्ति मजूमदार
अश्वथामा – निर्देशक : सुमन साहा

1 फरवरी
ओरिजनल काम – निर्देशक : रविभूषण कुमार
आज, कल या परसों – निर्देशक : मो. महमूद आलम

2 फरवरी
रोमियो, जूलियट और अंधेरा – निर्देशक : मानवेन्द्र कुमार त्रिपाठी
रूंधवाक – निर्देशक : अतुल सरकार

3 फरवरी
बाकी इतिहास – निर्देशक : मृगेन्द्र कुमार
अजब देशार अजब राजा – निर्देशक : शेवाल दास

ऊपर : *सैक्रिफाइज़, निर्देशक : देबाशीष दत्ता।* नीचे : *अश्वथामा, निर्देशक : सुमन साहा।*

प्रलेखन

दिसम्बर 2007 – जनवरी 2008 की कालावधि में निम्नलिखित कार्यक्रमों का प्रलेखन किया गया।:

प्रकृति - जनजातीय कला उत्सव, 5-6 दिसम्बर, 2007, नई दिल्ली। *वीडियो 3:13 घंटे। फोटो 360।*

संगीत प्रतिभा : 27-30 दिसम्बर, 2007, सिलीगुड़ी। *ऑडियो एवं वीडियो 14:13 घंटे। फोटो 200।*

एकल यात्रा, 2008 : महिला कलाकारों की एकल प्रस्तुति उत्सव 13-15 जनवरी 2008 कोलकाता। *वीडियो 11:39:41 घंटे। फोटो 430।*

बोम्मालट्टा उत्सव – आंध्र प्रदेश की पारम्परिक पुतुल का उत्सव, 18-22 जनवरी, 2008, वारंगल, आंध्र प्रदेश। *वीडियो 43:36:15 घंटे। फोटो 800।*

नृत्य संगम : नृत्योत्सव, 20-24 जनवरी, 2008, जमशेदपुर। *वीडियो 14:21:16 घंटे। फोटो 360।*

विशेष प्रलेखन : साक्षात्कार – प्रतिभा पाटिल द्वारा श्यामानंद जालान, कृपाशंकर चौबे द्वारा ऊषा गांगुली का एवं समीक बनर्जी द्वारा प्रतिभा अग्रवाल का *वीडियो 3:20 घंटे।*

स्मृति में

संगीत नाटक अकादेमी एवं इससे संबंद्ध निकाय अकादेमी सम्मानित श्री कैलाश पाण्ड्या, कुमारी शांता राव एवं श्री नरेन्द्र शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं।

कैलाश पण्ड्या

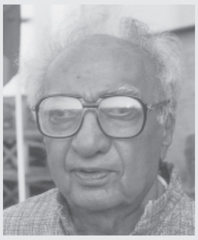

भावनगर, गुजरात में 1923 में जन्मे श्री कैलाश पाण्ड्या वर्ष 1943 से 1948 तक इंडियन पीपुल्स थियेटर एसोसियेशन बॉम्बे से जुड़े रहे। उन्होंने नट मंडल, अहमदाबाद में वर्ष 1949 से 1957 तक श्री जयशंकर सुंदरी के साथ काम किया एवं वर्ष 1958 से वे द एशियन थियेटर इंस्टीट्यूट दिल्ली जो अब राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के नाम से जाना जाता है, से संबंद्ध रहे। उन्होंने गुरु कुंजु नायर से कथकलि एवं गुरु चिमन लाल नायक से भवई सीखा।

दर्पण एकेडमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट के प्रमुख होने के नाते श्री पण्ड्या ने भास, गोगोल, ब्रेख्त, टैगोर एवं तेंदुलकर द्वारा लिखित विभिन्न प्राच्य एवं पाश्चात्य नाटकों की रचना की। वे मुख्यतः लोक नाट्यों में रूचि रखते थे, उन्होंने अपनी कुछ प्रस्तुतियों में भवई के नये प्रयोग भी किये। श्री पण्ड्या प्रतिभाशाली अभिनेता भी दीना गांधी, श्रीमती मृणालिनी साराभाई एवं प्रो० सी. सी. मेहता के साथ कार्य किया। उन्होंने देश व विदेश में आयोजित अनेक नाट्य सेमिनारों व कार्यशालाओं में भाग लिया।

श्री पण्ड्या को नाट्य के क्षेत्र में कुशल निर्देशन के लिए वर्ष 1993 में संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री कैलाश पण्ड्या का 24 दिसम्बर 2007 को निधन हो गया।

शांता राव

मैंगलोर, केरल में 1930 में जन्मी श्रीमती शांता राव ने अल्पवय से ही नृत्य सीखना शुरु किया। उन्होंने गुरु मीनाक्षी सुंदरम पिल्लै से भरतनाट्यम की शिक्षा–दीक्षा ली। गुरु पी. रमुन्नी मेनन से कथकलि एवं गुरु कृष्णा पनिक्कर से मोहिनीआट्टम सीखा।

कुमारी शांता राव ने भारत ही नहीं वरन सुदूरवर्ती देशों का भ्रमण किया व अपनी प्रस्तुतियां पेश कीं। विश्व भर के सम्मानित कला समीक्षकों एवं विद्वानों ने उनके कार्यों की प्रशंसा व सराहना की।

उन्होने कला के संवर्धन एवं प्रसार के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया। इस प्रकार कुमारी शांता राव ने भारतीय नृत्य कला के क्षितिज पर स्वयं को न केवल एक प्रख्यात गुरू के रूप में स्थापित किया बल्कि एक सम्मानित स्थान भी प्राप्त किया।

उन्हें प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से विभूषित किया गया। नृत्य के क्षेत्र में उनकी विशिष्टता एवं इसकी समृद्धि के लिए उनके उल्लेखनीय योगदान के कारण उन्हें वर्ष 1970 में भरतनाट्यम के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

कुमारी शांता राव का 28 दिसम्बर 2007 को निधन हो गया।

नरेन्द्र शर्मा

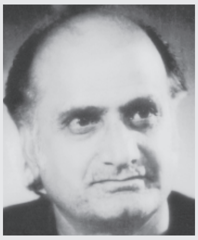

श्री नरेन्द्र शर्मा का जन्म 1924 में बुलन्दशहर उ. प्र. में हुआ। बचपन से ही नृत्य की ओर आकर्षित श्री शर्मा, उदयशंकर इंडियन कल्चर सेन्टर, अल्मोड़ा के प्रथम छात्र थे। उन्होंने इसी केन्द्र से नृत्य के सभी प्रशिक्षण प्राप्त किए। वह इस शैली के प्रमुख कलाकारों में से थे।

श्री नरेन्द्र शर्मा ने बैलेट सदृश अनेक प्रस्तुतियों में नृत्य संरचनाएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने न्यू स्टेप बाम्बे एवं श्री राम भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में भी कार्य किया। वे दिल्ली में स्वयं के द्वारा शुरु की गयी भूमिका नामक नृत्य इकाई के निदेशक एवं नृत्य संरचनाकार रहे। उन्होने मॉर्डन स्कूल, नई दिल्ली मे नृत्य निदेशक के रूप में भी कार्य किया। श्री नरेन्द्र शर्मा ने अध्ययन एवं अध्यापन के लिए सुदूरवर्ती देशों की यात्राएं की। सरकार के सांस्कृतिक विनियम कार्यक्रम के तहत नृत्य संरचनाकार के रूप में उन्हें विदेश भी भेजा गया।

नृत्य के क्षेत्र में विशिष्टता एवं इसकी समृद्धि के लिए उनके योगदान को देखते हुए श्री नरेन्द्र शर्मा को वर्ष 1976 में समकालीन नृत्य संरचना के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

श्री नरेन्द्र शर्मा का 14 जनवरी 2008 को देहावसान हुआ।

निजी परिचालन हेतु। *प्रकाशक, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली – 110 001, फोन : 23387246/7/8. फैक्स : 23381621, ई–मेल : sangeetnatak@bol.net.in, डिजाइन व प्रोडक्शन : stetdelhi@gmail.com*